GK पुस्तकालय ज्ञान का अभिलेख

दर्पण में जुड़वाँ अणु : काइरैलिटी (Chirality)

लेख का पता

https://www.gklibrarykor.com/hi/article/4972/

PDF लेआउट का नमूना - केवल अंश

बाएँ हाथ का दस्ताना दाएँ हाथ में नहीं पहना जा सकता। दोनों हाथों का आकार और माप एक जैसा होता है और वे एक-दूसरे के दर्पण प्रतिबिंब जैसे दिखते हैं, लेकिन उन्हें कितना भी घुमाएँ या पलटें, वे पूरी तरह एक-दूसरे पर अध्यारोपित नहीं हो सकते। आश्चर्य की बात है कि अदृश्य अणुओं की दुनिया में भी ऐसे जुड़वाँ होते हैं, जिनके दर्पण प्रतिबिंब एक-दूसरे पर अध्यारोपित नहीं होते। इसी गुण को 'काइरैलिटी (Chirality)' कहते हैं। सरल शब्दों में, काइरैलिटी का अर्थ है 'किसी वस्तु या अणु का अपने दर्पण प्रतिबिंब पर अध्यारोपित न हो सकने का गुण'। इसका नाम यूनानी शब्द खेइर (kheir) से आया है, जिसका अर्थ 'हाथ' है। ब्रिटिश भौतिक